Downloaded From: http://www.cbseportal.com

नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 3
No. of Printed Pages — 7

SS—34–1—T.W. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2010

वैकल्पिक वर्ग III (OPTIONAL GROUP III — COMMERCE)

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING IN HINDI)

समय — 1 घण्टा

पूर्णांक — 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

2. प्रत्येक कागज की एक तरफ टंकण करें ।

3. प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

4. प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

1. निम्नलिखित अवतरण को टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 28

सजावट — 2

कुल — 30

खेलों का महत्त्व

मनुष्य के जीवन में स्वास्थ्य का स्थान सर्वोपरि है । उत्तम स्वास्थ्य अनोखा वरदान है, यह अनमोल पूँजी है । शास्त्रों में निरोगी काया को पहला सुख बताया गया है । वास्तव में स्वस्थ शरीर ही संसार के समस्त सुखों का आनन्द ले सकता है । अस्वस्थ व्यक्ति के लिए तो जीवन एक भार होता है, इसलिए शरीर को स्वस्थ रखना हमारा कर्त्तव्य है । शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन, उचित व्यायाम और खेलकूद की आवश्यकता होती है ।

विद्यार्थी और युवा पुरुष के जीवन में खेल का महत्त्वपूर्ण स्थान है । उसे अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रतिदिन नियम से खेलना चाहिए । नियमित रूप से खेलों में भाग लेने वाला व्यक्ति सदैव स्वस्थ, फुर्तीला और चुस्त बना रहता है । खेलते समय जो पसीना बहता है, उसके साथ शरीर के भीतर की सारी गंदगी बाहर निकल आती है । खेल से शरीर के प्रत्येक अंग का व्यायाम हो जाता है । इस कहावत से हम सभी भली-भाँति परिचित हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

मस्तिष्क का निवास होता है । खिलाड़ी में कुछ गुण अपने आप ही आ जाते हैं : जैसे — अनुशासन । खेलते समय खिलाड़ी को कई नियमों का पालन करना पड़ता है और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना पड़ता है । वह हार-जीत को सहन करना सीख लेता है । इसीलिए हार या जीत उसे उद्वेलित नहीं करती; न ही वह एक हार से निराश होता है, वरन् हारते ही पुनः जीतने का संकल्प लेकर तैयारी में जुट जाता है । वह सीख जाता है कि न तो उसकी जीत स्थायी है और न हार । जो आज जीता है, वह कल हार भी सकता है । वह मानसिक रूप से सुदृढ़, अनुशासित और संकल्पवान बन जाता है । जीवन की छोटी-छोटी बाधाएँ उसे विचलित नहीं कर पातीं । वह उन्हें भी जीवन रूपी खेल का एक अंग ही मानता है ।

खिलाड़ी युवक या युवती का मन इधर-उधर नहीं भटकता । वह अपने लक्ष्य को निर्धारित करके उसकी पूर्ति में जुट जाता है । खेलने से उसका शरीर अच्छी तरह थक जाता है । अतः बिस्तर पर पड़ते ही उसे नींद आ जाती है । बिस्तर पर लेटकर वह इधर-उधर की ऊल-जलूल बातें नहीं सोचता । ऐसे व्यक्ति की सोच भी सकारात्मक होती है । वह किसी के विनाश अथवा पतन की बात नहीं सोचता, वरन अपनी ही उन्नति के स्वप्नों में खोया रहता है ।

खेल से मनुष्य में पारस्परिक सहयोग और सौहार्द की भावना पैदा होती है । खेल में कोई व्यक्ति किसी की जाति अथवा धर्म नहीं देखता, वह खेल देखता है । खेल में छोटा-बड़ा,

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अमीर-गरीब सब बराबर हैं । सब आवश्यकता पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता करते हैं । एक-दूसरे के गले मिलते हैं । खेल से व्यक्ति में बंधुत्व की भावना पैदा होती है ।

खेल व्यक्ति में साहस, उत्साह और लगन जैसे सद्‌गुणों का विकास करता है । व्यक्ति अपनी भूलों से सीखता है और उन्हें दूर करने का प्रयत्न करता है । इससे संकल्प-शक्ति का विकास होता है । वह कठिन से कठिन समय में तुरन्त निर्णय लेना सीख लेता है ।

खेल से व्यक्ति में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होता है । उसमें आगे बढ़ने और जीतने की इच्छा जाग्रत हो जाती है । वह जीवन के किसी क्षेत्र में पीछे नहीं रहना चाहता । वह दूसरों से सहयोग लेना और देना सीख जाता है और आवश्यकता पड़ने पर उनकी शक्ति का अधिकतम उपयोग कर लेता है ।

विद्यार्थियों के लिए तो खेल परमोपयोगी होते हैं । इससे उनका स्वास्थ्य तो ठीक रहता ही है, वे मानसिक रूप से भी तरो-ताजा बने रहते हैं । प्रायः ऐसे विद्यार्थी दूसरे विद्यार्थियों की अपेक्षा बात को जल्दी समझ लेते हैं ।

खेलों से हमारा तन-मन, स्वस्थ रहता है जिससे हर कार्य को करने में हमें अपूर्व आनन्द मिलता है । खेल व्यक्ति के जीवन को अनुशासित करता है, अतः इन्हीं बातों को देखते हुए हमें खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

2. निम्नलिखित पत्र को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 12

सजावट — 3

कुल — 15

रामचन्द्र हनुमानदास एण्ड सन्स

(अनाज के थोक व्यापारी एवं कमीशन एजेन्ट)

तार का पता —'हनुमान'

टेलीफोन सं० — 074/245674

पत्र सं० — 10/111

कोड सं० — 'जय विजय'

E–II/18 मुख्य अनाज मण्डी,

आत्मानन्द रोड,

पालनपुर ।

दिनांक — 10 जनवरी, 2010

मेसर्स हरि ट्रेडर्स,

मुख्य अनाज मण्डी,

गोरखपुर ।

प्रिय महोदय,

निवेदन है कि हमने आपको दिनांक 09–09–09 को 50170/- रु० का माल बेचा था ।

व्यापारिक परम्परा के अनुसार आपको हमें 7 दिनों में भुगतान करना था । हमने इस संदर्भ में

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

आपको दिनांक 30 – 09 – 09 एवं दिनांक 15 – 10 – 09 को दो पत्र भेज कर भुगतान के बारे में स्मरण भी दिलाया था । परन्तु बड़े ही खेद के साथ लिखना पड़ रहा है कि आपने न तो इन दोनों पत्रों का प्रत्युत्तर दिया एवं न ही आपने हमारा भुगतान भेजा है ।

इस सन्दर्भ में आपसे पुनः निवेदन है कि आप हमारा भुगतान मय 18% वार्षिक दर से, पत्र प्राप्ति के 7 दिनों के अन्दर भिजवाने की कृपा करें । अन्यथा विवश होकर हमें अन्य कार्यवाही करनी पड़ेगी । आशा है कि आप हमें अन्य कार्यवाही करने के लिए विवश नहीं करेंगे । विश्वास है कि आप सदैव की भाँति सहयोग करेंगे ।

धन्यवाद ।

हम हैं आपके,

रामचन्द्र हनुमानदास एंड संस के लिए ।

सही

(अमर दत्त व्यास)

मैनेजर

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

3. निम्नलिखित सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 12

सजावट — 3

कुल — 15

राजस्थान की जनसंख्या सम्बन्धी आँकड़े

जिला	जनसंख्या (हजार में)		दसवर्षीय वृद्धि-दर (प्रतिशत में)	लिंग-अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या)	घनत्व (प्रति वर्ग किलोमीटर)
	1991	2001			
श्रीगंगानगर	1403	1789	27·6	873	163
हनुमानगढ़	1220	1518	24·4	894	157
बीकानेर	1211	1674	38·2	890	61
चूरू	1543	1924	24·7	948	114
झुन्झुनूँ	1582	1914	20·9	946	323
अलवर	2297	2992	30·3	886	357
भरतपुर	1652	2101	27·2	854	414
धौलपुर	750	983	31·2	827	324
करौली	928	1210	30·4	855	218
सवाई माधोपुर	876	1117	27·6	889	248
दौसा	994	1317	32·4	899	384
जयपुर	3888	5221	35·1	897	471

Downloaded From: http://www.cbseportal.com